

R-939-II/12

अपि शर्तों (अपि)
को दोहराया 29-8-12
4C 508/87

5-4-12

होरालाल पिता ददूनी चमार उम्र 36 वर्ष, पेशा खेतो, निवासो ग्राम अम्झोर,
धाना व तहसोल जयसिंहनगर जिला शंङडोल म0प्र0आवेदक/ निग0कर्ता
विरुद्ध

1. मुस0 चिरौजिया बेवा ददूनी चमार सा0 अम्झोर, छ
 2. बबोले पिता सेखई चमार सा0 अम्झोर, फौतवारिस अ० अम्बरदीन पिता बबोले चमार उम्र 45 वर्ष सा0 अम्झोर पेशा खेतो,
 3. सम्भरू पिता झुदठा चमार सा0 अम्झोर
 4. खेल्लू पिता झुदठा चमार सा0 अम्झोर,
- सभी का धाना व तहसोल जयसिंहनगर जिला शंङडोल म0प्र0

.....अना0गण/गैरनिगराकार

राजस्व निगरानी विरुद्ध निर्णय न्याया0श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी महोदय जयसिंहनगर जिला शंङडोल म0प्र0 के रा0प्र0क्र0/79/अपोल/अ-6 "नामा"/2009-2010 मे पारित आदेश दिनांक 10.02.2012 से व्यथित होकर।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959

मान्यवर,

निगरानीकर्ता वद्वारा निगरानी प्रस्तुत कर विनय करता है कि:-

"निगरानी के तथ्य"

यह कि निगरानी मे सूक्ष्म तथ्य इस प्रकार है कि अना0/गैरनिगराकार क्र0-एक ने अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी महो0 के यहाँ न्याया0 श्रीमान् तहसीलदार जयसिंहनगर वृत्त आमडोह ग्राम अम्झोर जिला शंङडोल म0प्र0 को नामां0 पंजो क्र0-32 मे पारित आदेश दिनांक 24.08.1986 के विरुद्ध अपोल म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 1 1 के तहत प्रस्तुत की गई और साथ मे धारा 48 आवेदन नकल को छुट हेतु प्रस्तुत किया गया था।

2. यह कि अधी0 न्याया0 अपोलीय न्याया0 ने प्रकरण मे प्रक्रियात्मक त्रुटि दायर दिनांक से ही चालू कर दिया गया था प्रकरण मे मूल सत्य प्रति के बगैर ही प्रकरण मे सुनवाई को गई और दिनांक 14.10.2011 को बिना आधार के सत्यप्रति प्रस्तुत करने को छुट प्रदान को गई।

3. यह कि अपोलार्थी वद्वारा प्रस्तुत धारा 5 के आवेदन का जवाब अपोलार्थी वद्वारा मय शंपथ पत्र के किया गया था जिस पर अधी0 न्याया0 ने म्याद बाह्य आवेदन अपो0/गैर निगराकार का स्वीकार कर म्याद बाह्य अपोल को जो अपो0



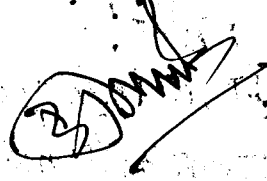
होरालाल

होरालाल

होरालाल

17.9.15

आवरेड की-आवरेड की-आवरेड
 नहीं। अनवरेड की-आवरेड की-आवरेड
 नहीं। आवरेड की-दिनांक 30.5.12 को
 -युवालय में आवरेड के तथा आगामी पेश
 दिनांक 19.7.12 को-आवरेड, परंतु उनके
 पेशनात लगभग तीन वर्ष तक के प्रकार
 में आवरेड नहीं हुए हैं। इस आवरेड
 एवं उनके अधिकारों को आज लागू
 गई, परंतु आवरेड आवरेड नहीं हुआ
 ऐसा प्रतीत होता है। आवरेड के प्रकार के
 संचालन में शर्त नहीं है। अतः प्रकार
 शर्त न होने के साथ-साथ पर समाप्त
 जाता है। अधीनस्थ-युवालय के अधिकार
 लागू होने पर, प्रकार लागू दिनांक है।



सिद्ध